PUBLICATION NAME : CHHATTISGARH WATCH .

DATE : 11-07-2013 .

PAGE NO : 02 .

एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी -सफेद सूंड़ी, गोलकृमि एवं दीमक से मुकाबला करने के लिये आधुनिकतम जैवप्रौद्योगिकी!

रायपुर। भारत की अग्रणी कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी (ईपीएन) के आधार पर बायोसाइड्स (जैविक कीटनाशकों) की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफलताओं में से एक ''कैलटर्म सुपर'' किसानो को अपनी फसलों को हानिकारक सफेद सूंड़ी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानो के लिये संकट मोचन बन कर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं।

ईपीएन सफेद सूंड़ी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो प्रकार के होते हैं- हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है। ये गोलकृमि मृदा से व्युत्पन्न होते है, नये हानिकारक मेजबानो (दीमक, सफेद सूंड़ी और अन्य हानिकारक गोलकृमि) को संक्रमित करते हैं, उनका काम तमाम कर देते हैं तथा बेहतर सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं।

PUBLICATION NAME : DIANANDINI .

DATE : 11-07-2013 .

PAGE NO : 06 .

गोलकृमि एवं दीमक से मुका बला करने के लिये आधुनिकतम जैवप्रौद्योगिकी!

रायपुर। भारत की अग्रणी कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी (ईपीएन) के आधार पर बायोसाइड्स (जैविक कीटनाशकों) की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफलताओं में से एक "कैलटर्म सुपर" किसानो को अपनी फसलों को हानिकारक सफेद सूंडी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानो के लिये संकट मोचन बन कर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं।

ईपीएन सफेद सूंडी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो प्रकार के होते हैं- हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है। ये गोलकृमि मृदा से व्युत्पन्न होते हैं, नये हानिकारक मेजबानो (दीमक, सफेद सूंडी और अन्य हानिकारक गोलकृमि) को संक्रमित करते हैं, उनका काम तमाम कर देते हैं तथा बेहतर सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं।

एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी (ईपीएन)–सफेद सूंड़ी, गोलकृमि एवं दीमक से मुकाबला करने के लिये आधुनिकतम जैवप्रौद्योगिकी!

रायपुरः भारत की अग्रणी कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी (ईपीएन) के आधार पर बायोसाइड्स (जैविक कीटनाशकों) की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफलताओं में से एक "कैलटर्म सुपर" किसानो को अपनी फसलों को हानिकारक सफेद सूंड़ी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण–हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानो के लिये संकट मोचन बन कर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं।

ईपीएन सफेद सूंड़ी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो प्रकार के होते हैं– हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है। ये गोलकृमि मृदा से व्युत्पन्न होते हैं, नये हानिकारक मेजबानो (दीमक, सफेद सूंडी और अन्य हानिकारक गोलकृमि) को संक्रमित करते हैं, उनका काम तमाम कर देते हैं तथा बेहतर सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं।